एक ज़रूरी सवाल जो तुम्हें खुद से पूछना चाहिए!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

हमारे प्रभु यीशु मसीह का नाम धन्य हो!
बाइबल अध्ययन में आपका स्वागत है। आज हम प्रभु की अनुग्रह से यह विषय सीखने जा रहे हैं:
“हमारे जीवन में सबसे ज़रूरी सवाल जो हमें खुद से पूछना चाहिए।”

कल्पना करो कि कोई तुम्हें पकड़ लेता है, तुम्हारी आंखों पर पट्टी बांध देता है, और एक लंबी यात्रा पर ले जाता है। फिर वह तुम्हें किसी अनजान जगह छोड़कर भाग जाता है।
जब तुम पट्टी हटाते हो, तो खुद को ऐसी जगह पाते हो जिसे तुमने कभी नहीं देखा। नए लोग, अजनबी भाषा, अजनबी वातावरण।

तुम दाईं ओर देखते हो – लोग मैदान में फुटबॉल खेल रहे हैं।
बाईं ओर – एक रेस्टोरेंट है जहाँ लोग खाना खा रहे हैं।
पीछे – लोग किसी बस में चढ़ने के लिए दौड़ रहे हैं।
सड़क के किनारे – एक फल-सब्ज़ी की बाज़ार है।
और सामने – सुंदर महल जैसे घर और बग़ीचे हैं।

अब ज़रा सोचो – तुम सबसे पहले क्या करोगे?
शायद कहो – मैं खाना खाने चला जाऊँगा, या बाजार घूमने।
लेकिन अगर तुम ऐसा सोचते हो, तो यह स्पष्ट है कि तुमने बिना सोचे कोई

एक ज़रूरी सवाल जो तुम्हें खुद से पूछना चाहिए!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

निर्णय लिया – और यह मूर्खता होगी।

सबसे पहला सवाल क्या होना चाहिए?

“मैं कहाँ हूँ?”
“और मैं यहाँ क्यों हूँ?”

किसी भी चीज़ में भाग लेने से पहले, या किसी कार्य में जुड़ने से पहले, ये दो सवाल सबसे महत्वपूर्ण हैं।
अगर तुम इस स्थिति में होते, तो सबसे पहले यही पूछते:
“यह जगह कौन सी है?”
“और मुझे यहाँ क्यों लाया गया है?”

अब, इन दो सवालों के जवाब दो अलग स्रोतों से मिलते हैं:

1) “मैं कहाँ हूँ?”

इसका जवाब तुम्हें आसपास के लोगों से मिल सकता है। तुम किसी से पूछते हो:
“माफ़ कीजिए, यह कौन सी जगह है?”
शायद वो तुम्हें अजीब समझे, लेकिन अंत में कह देगा: “तुम भारत में हो।”

एक ज़रूरी सवाल जो तुम्हें खुद से पूछना चाहिए!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

2) “मुझे यहाँ कौन लाया और क्यों?”

इस सवाल का जवाब इंसान नहीं दे सकते।
अगर तुम पूछोगे, लोग कहेंगे: “ये तो पागल है!”
अब तुम्हें खुद ही खोज करनी होगी, कि कौन तुम्हें यहाँ लाया और क्यों। अगर वह व्यक्ति चाहेगा, तो वह खुद को प्रकट करेगा और अपना उद्देश्य बताएगा।
और जब तुम उसका उद्देश्य पूरा कर लोगे, तो वही तुम्हें वापस लौटने का रास्ता दिखाएगा।

यह सिर्फ एक उदाहरण है!

अब यह सब हमारे जीवन पर कैसे लागू होता है?

हम सभी मनुष्य इस दुनिया में अचानक से पैदा हुए।
किसी ने हमसे पहले राय नहीं ली।
हमें इस दुनिया में पैदा कर दिया गया – जैसे किसी ने हमें अनजान जगह में भेज दिया।

जब हम पैदा हुए, तब यह दुनिया पहले से चल रही थी:
खेल, मनोरंजन, शिक्षा, पार्टियाँ, नौकरी, व्यापार – हर ओर व्यस्तता। लेकिन सवाल यह है:

एक ज़रूरी सवाल जो तुम्हें खुद से पूछना चाहिए!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

क्या हम इन सबमें भाग लेने से पहले सोचते हैं:

मैं कौन हूँ?
मैं कहाँ से आया?
मैं अभी कहाँ हूँ?
किसने मुझे यहाँ भेजा?
और क्यों भेजा?

ये सवाल सबसे मौलिक और बुद्धिमानी वाले सवाल हैं।
कोई भी समझदार व्यक्ति जीवन के किसी भी निर्णय से पहले इन्हें पूछेगा।

तो क्या इन सवालों के जवाब इंसान दे सकते हैं?

कभी-कभी हाँ – जैसे कि “तुम पृथ्वी पर हो”
वे तुम्हें इतिहास भी बताएंगे।

लेकिन जब तुम पूछते हो:
“मुझे किसने यहाँ भेजा?”
तो वे बस कह सकते हैं – “ईश्वर ने।”

पर सवाल है:
“ईश्वर ने मुझे क्यों भेजा?”

एक ज़रूरी सवाल जो तुम्हें खुद से पूछना चाहिए!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

इसका जवाब कोई भी मनुष्य नहीं दे सकता।

तो फिर तुम यह कैसे जानोगे कि तुम्हारा जीवन-उद्देश्य क्या है?

1) पहले तुम्हें उस परमेश्वर को जानना होगा, जिसने तुम्हें बनाया।

और वह केवल यीशु मसीह के द्वारा ही संभव है।

“यीशु ने उससे कहा, मैं ही मार्ग, और सत्य, और जीवन हूँ; बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहुँच सकता।”
— यूहन्ना 14:6

यीशु मसीह के बिना कोई ईश्वर को नहीं जान सकता।

पापों से मन फिराओ
सच्चे मन से यीशु की ओर मुड़ो
पानी में पूर्ण रूप से यीशु के नाम में बपतिस्मा लो
और पवित्र आत्मा प्राप्त करो

तब तुम वास्तव में उस तक पहुँचोगे, जिसने तुम्हें इस धरती पर भेजा।

एक ज़रूरी सवाल जो तुम्हें खुद से पूछना चाहिए!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

2) जब तुम यीशु को स्वीकार करते हो और पवित्र आत्मा पाते हो – तब वह तुम्हें तुम्हारा उद्देश्य दिखाएगा।

ईश्वर ने तुम्हें यहाँ केवल अमीर बनने, मशहूर होने या बिज़नेस करने के लिए नहीं भेजा।

उसका उद्देश्य कुछ और है – और वह उद्देश्य तुम्हारे अंदर पहले से ही मौजूद है, तुम्हारी आत्मिक योग्यताओं और वरदानों के रूप में।

पवित्र आत्मा तुम्हें उस उद्देश्य को प्रकट करेगा।
जब तुम उस उद्देश्य को समझ लेते हो, तो एक अनोखी शांति तुम्हारे जीवन में आती है।

अब मैं तुमसे पूछता हूँ:

क्या तुम जानते हो कि तुम कहाँ हो?
क्या तुम जानते हो कि तुम यहाँ क्यों हो?

अगर तुम इस दुनिया में केवल पार्टी, व्यापार और मौज-मस्ती कर रहे हो, बिना यह जाने कि तुम्हें यहाँ क्यों भेजा गया –

एक ज़रूरी सवाल जो तुम्हें खुद से पूछना चाहिए!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

तो तुम ठीक उसी जैसे हो जो आँखें खुलते ही रेस्टोरेंट की ओर भाग गया, बिना यह सोचे कि वह कहाँ है।

“मूर्ख अपने मन में कहता है, ‘कोई परमेश्वर नहीं है।’”
— भजन संहिता 14:1

अगर आज तुम यह निर्णय लेते हो कि:

“मैं जानना चाहता हूँ कि ईश्वर ने मुझे क्यों भेजा है”,
तो इन सरल कदमों को अपनाओ:

� 1) पापों से सच्चे मन से तौबा करो।

निम्न बातों से मन फिराओ:

व्यभिचार
हस्तमैथुन (masturbation)
पोर्न देखना
झूठ बोलना
चोरी
नशा करना

एक ज़रूरी सवाल जो तुम्हें खुद से पूछना चाहिए !

- अबॉर्शन
- समलैंगिकता
- रिश्वत
- गालियाँ देना आदि

▯ 2) बाइबल के अनुसार सही बपतिस्मा लो

बचपन का बपतिस्मा सही नहीं है।
सही बपतिस्मा है — जल में पूर्ण डुबकी के साथ, यीशु के नाम में।

> “तब पतरस ने उनसे कहा, मन फिराओ, और तुम में से हर एक व्यक्ति यीशु मसीह के नाम पर बपतिस्मा ले, ताकि तुम्हारे पापों की क्षमा हो, और तुम पवित्र आत्मा का वरदान पाओ।”
> — प्रेरितों के काम 2:38

▯ 3) पवित्र आत्मा को प्राप्त करो।

वही आत्मा तुम्हें सारी सच्चाई सिखाएगा, और तुम्हारे जीवन का उद्देश्य बताएगा।

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 8

एक ज़रूरी सवाल जो तुम्हें खुद से पूछना चाहिए!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 9

“मुझे इस बात का भरोसा है, कि जिसने तुम में अच्छा काम शुरू किया
है, वह उसे यीशु मसीह के दिन तक पूरा करेगा।”
— फिलिप्पियों 1:6

आज से शुरुआत करो।

अपना जीवन यूँ ही मत बिताओ।
ईश्वर ने तुम्हें इस धरती पर किसी खास मकसद से भेजा है।
उसे जानो, उस पर चलो – और अंत में जीवन का मुकुट पाओ।

प्रभु तुम्हें बहुतायत से आशीष दे!

� कृपया इस संदेश को दूसरों के साथ साझा करें।

Share on:
WhatsApp

Print this post